व्यापारी से 20 लाख की फिरौती मांगने और जान से मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी ने विदेशी एप से व्यापारी से फिरौती मांग कर धमकी दी थी

सादुलपुर, (निसं)। लगभग दस दिन पूर्व एक व्यापारी से 20 लाख रुपए की फिरौती मांगने तथा परिवार के एक सदस्य की हत्या करने तथा पुलिस को सूचना देने पर फिरौती की राशि डबल 40 लाख रुपए देने की धमकी के आरोप में पुलिस ने रविवार को मामले का खुलासा करते फिरौती मांगने वाले अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है। राजगढ़ थाना पुलिस ने व्यापारी की ओर से 20 अप्रैल को मामला दर्ज करवाने के बाद जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव के निर्देशन में गठित टीम ने सादुलपुर निवासी आरोपी सिकंदर खान पुत्र सलीम खान को गिरफ्तार किया है।

इस संबंध में थाना अधिकारी पुष्पेंद्र झाझड़िया ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ने कुवैत के मोबाइल नंबर से तकनीकी रूप से उपयोग में लेकर स्थानीय व्यापारी को धमकी देकर 20 लाख रुपए की फिरौती की मांग की तथा पुलिस को सूचना देने पर फिरौती की राशि डबल 40 लाख रुपए की मांग कर व्यापारी के परिवार के एक सदस्य को को जान से मारने की धमकी दी थी। जिस पर पुलिस ने आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर इंटेलिजेंस एनकाउंटर करने में सफलता प्राप्त की है।

पुष्पेन्द्र सिंह झाझड़िया ने बताया कि व्यापारी के मोबाइल नंबर पर फिरौती के लिए आई कॉल के मोबाइल नंबर प्राप्त किए तथा साइबर सेल से उक्त नंबर का रिकॉर्ड प्राप्त किया गया, जिस पर आरोपी की लोकेशन कुवैत की होनी पाई। गठित टीम द्वारा अलग-अलग मोबाइल कंपनियां तथा डाटा सेंटर से संपर्क का रिकॉर्ड प्राप्त किया तथा पुलिस द्वारा तकनीकी साक्ष्य जुटाए गए। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि आरोपी द्वारा काम में लिया जा रहा मोबाइल नंबर इंटरनेट सेटेलाइट के द्वारा जनरेट किया गया है जो कुवैत का होना पाया गया आरोपी की टावर लोकेशन भी कुवैत मिली। पुलिस ने लगातार दस दिनों तक मेहनत कर मामले से जुडी एक से एक कडियां जोड़कर कंपनियों से संपर्क कर रिकॉर्ड लिया तथा पता चला कि उक्त नंबर इंटरनेट डाटा सर्वर कंपनी द्वारा होस्ट किया गया है तथा जो कंपनी कोलकाता और रांची में है। जिसका मुख्य कार्यालय दुबई में है, जो पूरे विश्व में विभिन्न मोबाइल ऐप को सेटेलाइट से इंटरनेट डाटा उपलब्ध करवाती है, जिस पर टीम द्वारा संबंधित कंपनी से संपर्क का रिकॉर्ड प्राप्त किया गया तथा आरोपी की पहचान की जाकर और आरोपी सिकंदर खान को गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी सिकंदर खान पूर्व में विदेश में नौकरी करता था जहां उसके जानकारी अन्य लोगों से हो रखी थी तथा आरोपी द्वारा शहर में फिरौती मांगने का प्लान तैयार किया तथा कुवैत में अपने दोस्त से संपर्क कर अपने पिता से विदेश में बात करने के लिए बहाना बनाकर ऑनलाइन मोबाइल कंपनी का डॉलर खरीद करवाया। तथा आरोपी ने भारत में अपने स्वयं के मोबाइल नंबर पर उपयोग में लिया तथा कुवैत का मोबाइल नंबर जनरेट करते हुए व्यापारी के मोबाइल नंबर पर कॉल कर फिरौती की मांग की तथा फिरौती नहीं देने पर परिवार की एक सदस्य को जान से मारने की धमकी दी। आरोपी द्वारा बडे ही शातिर तरीके से विदेश का मोबाइल नंबर जनरेट कर कॉल की गई थी। जिसकी टावर लोकेशन भी कुवैत की ही प्राप्त हो रही थी। जिसकी जानकारी आरोपी को पूर्व से थी तथा धमकी देकर शहर में घूमता रहा उसे लग रहा था कि पुलिस द्वारा उसकी पहचान की जानी संभव नहीं है।

पुलिस ने उक्त घटना से पहले 11 अप्रैल को स्थानीय निवासी डॉ. मनमोहन गुप्ता और उनकी पत्नी को मोबाइल से फोन कर 10 लाख रुपए की फिरौती की मांग की गई थी। जिसमें पुलिस ने अज्ञात आरोपी की पहचान कमलकांत जांगिड निवासी सादुलपुर के रूप में की जाकर गिरफ्तार किया जो डॉ. दंपति का कार चालक था तथा आरोपी को जेल भिजवा दिया गया। वहीं 20 अप्रैल को गिरफ्तार आरोपी ने स्थानीय कृषि उपज मण्डी का व्यापारी मुरारीलाल गोयल अग्रवाल निवासी वार्ड 9 सादुलपुर को धमकी देकर 20 लाख रुपए फिरौती देने तथा पुलिस को सूचना देने पर फिरौती की राशि 40 लाख रुपए देने की मांग की तथा परिवार के एक सदस्य की हत्या करने की भी धमकी दी।

रविवार को मामले का खुलासा करते फिरौती मांगने वाले अपराधी के मनसूबे पर पानी फेर कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। सम्पूर्ण कार्यवाही में पवन कुमार कानि व नवीन कुमार कानि की विशेष भूमिका रही। कार्यवाही में पुष्पेन्द्र झाझड़िया पु.नि. थानाधिकारी पुलिस थाना राजगढ़, पप्पूराम उनि., पवन कुमार कानि., सुरेश कुमार कानि., नवीन कुमार कानि. व सुरेन्द्र कुमार हैड कानि. साईबर सैल चूरू शामिल रहे।

व्यापारी से फिरौती मांगने के आरोपी सिकंदर खान को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

- पुलिस को सूचना देने पर फिरौती की राशि डबल 40 लाख रुपए देने की भी धमकी दी थी
- आरोपी पूर्व में विदेश में नौकरी करता था, जहां उसकी जानकारी अन्य लोगों से हो रखी थी

बांसवाड़ा व अजमेर जिले में प्रशासन ने बाल विवाह रुकवाया

चाइल्ड हेल्पलाइन टीम की सूचना पर प्रशासन ने कार्यवाही की

बांसवाड़ा/अजमेर, (निसं)। चाइल्ड हेल्पलाइन टीम की सूचना पर प्रशासन ने कार्यवाही करते हुए बाल विवाह रुकवाया। चाइल्ड हेल्पलाइन के जिला समन्वयक मनीष खदाव ने बताया कि कॉल सेंटर जयपुर से अज्ञात कॉलर द्वारा सूचना दी गई कि अरथूना ब्लॉक के हड़मतिया गांव में 15 वर्षीय बालिका का विवाह होने वाला है। जिस पर जिला बाल संरक्षण इकाई की ओर से संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर अरथूना तहसील के क्षेत्र से प्राप्त बाल विवाह की सूचना पर चाइल्ड हेल्पलाइन ने अरथुना तहसीलदार नरेंद्र चौधरी, आईसीडीएस विशाल व सीडीपीओ हेमेंद्र को सूचना दी।

चाइल्ड हेल्पलाइन की सूचना पर प्रशासन ने पटवारी रजनी पटेल, आईसीडीएस सुपरवाइजर इंद्रबाला, वार्डपंच अर्जुन सिंह, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता विमला राणा, पुलिस थाना अरथूना हेड कांस्टेबल नरेंद्र भाटी व स्टाफ की टीम मौके पर भेजी। टीम ने मौके पर पहुंचकर परिजनों से बातचीत की व लड़की के उम्र संबंधित दस्तावेज मांगे। दस्तावेज में लड़की की जन्मतिथि 1 जनवरी 2009 के अनुसार उम्र 15 साल 4 माह पायी गयी जो की नाबालिग की श्रेणी में आती है। लड़की की बारात भी आ चुकी थी। इस पर लड़के के भी उम्र संबंधित दस्तावेजों की जांच की गयी जिस पर लड़के की जन्मतिथि 25 मई 2002 के अनुसार लड़का बालिग पाया गया। टीम ने मौका पर्चा रिपोर्ट बनाकर लड़की के परिजनों से हस्ताक्षर करवाते हुए उन्हें पाबंद किया कि जब तक लड़की की आयु 18 वर्ष पूर्ण नहीं हो जाती तब तक विवाह नहीं करें।

चाइल्ड हेल्पलाइन के जिला समन्वयक मनीष खदाव ने बताया कि लड़की की आयु 18 वर्ष से कम और लड़के की आयु 21 वर्ष से कम के बच्चों का अगर विवाह हो रहा है तो वह बाल विवाह की श्रेणी में आता है जो कानूनन अपराध है ऐसे विवाह की सूचना तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 1098 पर दें। उन्होंने बताया कि कॉल करने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी जाएगी। कार्यवाही में चाइल्ड हेल्पलाइन के कलावती, कामिनी भारद्वाज, पूजा चौबीसा व राहुल बुनकर ने सहयोग प्रदान किया।

वहीं अजमेर के मांगलियावास थाना क्षेत्र के गांव रूदलाई में पुलिस व जिला प्रशासन ने नाबालिग के बाल विवाह को रूकवाया और माता-पिता को मजिस्ट्रेट के सामने पेश कर शादी नहीं करने के लिए पाबंद करवाया। पीसांगन उपखंड अधिकारी रामकुमार ताड़ा ने कहा कि कार्यवाही अजमेर चाइल्ड हैल्प लाइन की सूचना पर की गई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मांगलियावास थाने के एएसआई रामस्वरूप ने बताया कि अजमेर चाइल्ड हैल्प लाइन से सूचना मिली कि ग्राम रूदलाई में 15 वर्षीय नाबालिग का बाल विवाह हो रहा है। इस पर प्रशासन की टीम के साथ पुलिस मौके पर पहुंची। वहां पर एक शादी की जानकारी मिली। पुलिस व प्रशासन की टीम के पहुंचने पर हड़कंप मच गया। एएसआई रामस्वरूपने बताया कि ब्यावर के निकट रूपारेल बारात जानी थी। इस पर दूल्हे की उम्र संबंधित दस्तावेज की जांच की तो पाया कि दूल्हे की उम्र 15 साल 8 माह थी। इस पर शादी रूकवाई और माता-पिता को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश कर शादी नहीं करने के लिए पाबंद किया। बाल कल्याण समिति की चेयरमैन अंजलि शर्मा ने बताया कि बच्चे की शादी की शिकायत मिली थी और इस पर पुलिस व प्रशासन को सूचना देकर कार्रवाई के लिए कहा गया।

कुख्यात तस्कर भुट्टाराम गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। भीलवाड़ा में वर्ष 2021 में दो कॉन्स्टेबल की हत्या में फरार चले रहे राजू फौजी के साथी कुख्यात तस्कर कुख्यात तस्कर भुट्टाराम उर्फ भूपेंद्र विश्नोई को जोधपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। भुट्टाराम को पुलिस पिछले तीन साल से तलाश कर रही थी। इस पर राजस्थान के अलग-अलग जिलों में करीब 75 हजार रुपए का ईनाम भी घोषित कर रखा था। भुट्टाराम की सबसे ज्यादा तलाश भीलवाड़ा में दो कॉन्स्टेबल हत्याकांड मामले में थी। इसके अलावा उस पर एनडीपीएस के व जानलेवा हमले के भी कई मामले दर्ज है। बोरानाथ एसीपी नरेंद्रसिंह देवड़ा ने बताया कि जोलियासी के आथुणी ढाणी निवासी भुट्टाराम उर्फ भूपेंद्र विश्नोई को पुलिस ने धवा से गिरफ्तार कर लिया है। वह अपने परिवार के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आया था। जिसकी सूचना पुलिस को मिलने के बाद में रास्ते में घेरकर पकड़ लिया। पुलिस को भुट्टाराम के पास हथियार होने का भी संदेह था। पुलिस भी तैयारी के साथ पकड़ने पहुंची थी।

पाटनवाटी क्षेत्र के कई गांवों में पेयजल संकट

पाटन, (निसं)। पाटनवाटी क्षेत्र में जलस्तर नीचे चले जाने से पेयजल संकट बढ़ गया है, हालांकि प्रशासन ने कई ग्राम पंचायतों में वैकल्पिक व्यवस्था शुरू करते हुए टैंकरों से पेयजल सप्लाई शुरू की है, परंतु वैकल्पिक व्यवस्था के बाद भी पानी की पूर्ति नहीं हो पा रही है।

मीणा की नांगल, छाजा की नांगल, धांधेला में पेयजल संकट बढ़ने लगा है, ऐसे में लोगों को महंगे दामों में टैंकर से पानी मंगवाकर अपनी प्यास बुझानी पड़ रही है। बोरिंग एवं कुओं का जलस्तर नीचे चला गया है ऐसे में पानी की पूर्ति नहीं हो पा रही है। राजस्थान पथ परिवहन निगम से सेवानिवृत चालक फूलचंद यादव मीणा की नांगल ने बताया कि गांव में पानी की गंभीर समस्या पैदा हो गई है, पीने का पानी टैंकरों से मंगवाना पड़ रहा है। गांव में पेयजल सप्लाई के दो पॉइंट है एक बोरवेल तथा दूसरा कुआं, इससे पानी की सप्लाई होती है। बोरवेल का पानी नीचे चले जाने से समस्या पैदा हो गई है, वहीं कुएं से हो रही सप्लाई लाइन की राइजिंग लाइन में पानी के कनेक्शन होने से कुएं का पानी टंकी में नहीं पहुंच पा रहा है, जिस कारण गांव में पेयजल संकट पैदा हो गया है। इस बारे में जलदाय विभाग के कनिष्ठ अभियंता को भी अवगत करवाया गया, परंतु राइजिंग लाइन में हो रहे कनेक्शन के प्रति कोई सख्त कदम नहीं उठाया। समय रहते प्रशासन ने अगर ध्यान नहीं दिया तो लोगों का मई एवं जून माह में बुरा हाल हो सकता है।

- ग्रामीणों को महंगे दामों में टैंकर मंगवाकर बुझानी पड़ रही है प्यास
- मीणा की नांगल, छाजा की नांगल, धांधेला में पेयजल संकट बढ़ने लगा

लिव इन रिलेशनशिप में रह रही युवतियों का देहशोषण

श्रीगंगानगर, (निसं)। लीव इन रिलेशनशिप में रहने वाली दो युवतियों ने अपने कथित प्रेमियों और उनके परिचितों के खिलाफ पुरानी आबादी थाने में दुष्कर्म के मामले दर्ज कराए हैं। पहले मामले में पुरानी आबादी की पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसके कथित पति अमनदीप ने उसका देह शोषण किया और परिचित गुड्डी देवी पत्नी नीरू वाल्मीकि ने मारपीट की। इन दोनों ने उसे जान से मारने का प्रयास भी किया।

दूसरे प्रकरण में पीड़िता ने आरोप लगाया है कि लिव इन रिलेशनशिप के साथ रहने वाले करणी मार्ग निवासी मोनू पुत्र वेदपाल ने उसका वर्ष 2016 से अब तक देह शोषण किया। इसके अलावा जान से मारने के लिए फिनायल पिला दिया। इस दौरान उसके बीस हजार रुपए चोरी कर ले गया। इन दोनों प्रकरणों की जांच पुरानी आबादी सीआई गोविन्द सिंह चारण को दी गई है।

उधर एक अन्य मामले में सोशल मीडिया पर फर्जी आइडी बनाकर एक युवती की छवि धूमिल करने पर जवाहरनगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जवाहरनगर सीआई देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि ब्लॉक एरिया की युवती की ओर से दर्ज कराए गए इस मामले में आरोप लगाया कि कोई अज्ञात व्यक्ति उसे पिछले कई दिनों से सोशल मीडिया पर परेशान कर रहा था। उसे ऐसा नहीं करने की चेतावनी दी तो उसने ब्लॉक करने की बजाय युवती के नाम पर इंस्टाग्राम पर फर्जी आइडी बना डाली और उसमें युवती के नाम का गलत इस्तेमाल करने लगा।

आपत्तिजनक फोटो और वीडियो क्लीप निकालकर उसके नाम से वायरल करने लगा है। इस सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर युवती ने ऐसा नहीं करने की बात कही तो उसने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। जांच अधिकारी सीआई ने बताया कि सोशल मीडिया इंस्टाग्राम के मुख्यालय को ईमेल करके पीड़िता की आइडी ब्लॉक करने और आईपी सर्वर से बनाई गई आईडी को पुलिस के साथ साझा करने का आग्रह किया गया है। उन्होंने बताया कि यह जानकारी आने के बाद ही आरोपी के बारे में पता चल सकेगा।

- युवतियों ने अपने कथित प्रेमियों और उनके परिचितों के खिलाफ मामले दर्ज कराए

नाबालिग लड़की के अपहरण का आरोप

भीलवाड़ा, (निसं)। एग्जाम देने स्कूल गई एक 17 साल की नाबालिग लड़की को बहला-फुसला कर अपहरण करने की रिपोर्ट छात्रा के पिता ने दर्ज कराई है। उन्होंने गांव के दो युवकों पर बेटी के अपहरण और गलत करने की आशंका जताई है। मामला बिजौलिया थाना क्षेत्र का है। एक व्यक्ति ने अपनी 17 साल की बेटी के अपहरण का मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उसकी बेटी मंगलवार को सुबह साम बजे एग्जाम देने स्कूल गई थी। दोपहर तीन बजे जब वो घर लौटा तो उसे परिवार के अन्य लोगों ने बताया की बेटी स्कूल से वापस नहीं लौटी है। पिता ने स्कूल और मिलने जुलने वालों से पूछताछ की तो उसे पता लगा कि उसकी बेटी का विकास रेगर और युवराज रेगर अपहरण कर ले गए। पिता ने अपनी बेटी के साथ कोई गलत काम होने की भी आशंका जताते हुए बताया कि पहले भी विकास ने उसकी बेटी के अश्लील वीडियो बना लिए थे और उठा कर ले जाने की धमकी दी थी। अश्लील वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करते हुए 50 हजार रुपए भी वसूल किये थे। पुलिस ने पिता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

भारी सैन्य उपकरणों को सैनिकों तक पहुंचाने का सफल अभ्यास

बीकानेर, (निसं)। यहां महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में युद्ध के दौरान भारी सैन्य उपकरणों को रेतीले और दुगर्म क्षेत्र में सैनिकों तक पहुंचाने का सफल अभ्यास किया गया। इस दौरान विमान का उपयोग कर भारी मशीन को जमीन पर सुरक्षित एयरड्रॉप किया गया। इसके लिए स्वदेश में विकसित प्लेटफार्म का उपयोग किया गया।

भारतीय वायु सेना ने इस जटिल अभ्यास के लिए मैकेनाइज्ड प्लेटफार्म (बीएमपी) को विमान से जमीन तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा था। इसे एयरड्रॉप करने के लिए जिस बी आकार के 32 फीट लम्बे प्लेटफाम को काम में लिया गया, वह भारत में निर्मित है। इसका परीक्षण भी सफलतापूर्वक साथ में कर लिया गया। इसमें 6 विशेष प्रकार के एयर बैग का उपयोग किया गया। सैन्य सूत्रों के मुताबिक, भारतीय सेना और हवाई डिलिवरी एवं विकास प्रतिष्ठान (एडीआरडीई) ने सैन्य लड़ाकू क्षमता बढ़ाने के लिए यह संयुक्त परीक्षण किया। वायु सेना के सी-17 विमान ने महाजन के धोरों के बीच बनाए ड्रॉप जोन में बीएमपी (भारी मशीन) की डिलिवरी दी। इसके माध्यम से सेना ने हवाई गतिशीलता बेड़े की परिचालन क्षमता की ताकत को भी दुनिया के सामने प्रदर्शित किया।

युद्ध के दौरान सेना के सामने पहाड़ी या रेगिस्तानी दुर्गम स्थल पर सैनिकों तक भारी सैन्य उपकरण आदि पहुंचाने की चुनौती होती है। ऐसे में वायु सेना के विमान की मदद से भारी उपकरणों आदि को एयरड्रॉप करने का विकल्प चुना जाता है। विमान से सीधे जमीन पर सामान गिराने पर उसके क्षतिग्रस्त होने, दुश्मन के हाथ लगने और सटीक लक्ष्य पर नहीं पहुंचने का खतरा रहता है। ऐसे में एयरड्रॉप तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है।

- महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में स्वदेशी डिलीवरी प्लेटफार्म का परीक्षण सफल, अब एयरड्रोप करने की नहीं पड़ेगी जरूरत

डिग्गी में डूबती बालिका को बचाने कूदा अधेड़, दोनों की मौत

सूरतगढ़/सिद्धुवाला, (निसं)। ग्राम पंचायत चार केएसआर श्योपुरा की चक तीन केएसआर के एक खेत में बनी पानी की डिग्गी में पैर फिसलने से 13 वर्षीय बालिका गिर गई। उसे बचाने के प्रयास एक व्यक्ति ने डिग्गी में छलांग लगाई, लेकिन वह भी डूब गया। हादसे में बालिका व उसे बचाने गए व्यक्ति की मौत हो गई। ग्रामीणों की मदद से सदर पुलिस ने शव को बाहर निकाला तथा सीएचसी की मोर्चरी में शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा। इस संबंध में मृतका के नाना की रिपोर्ट पर सदर पुलिस ने मर्ग दर्ज की है।

जानकारी के अनुसार सिद्धुवाला निवासी देवीलाल नायक चक तीन केएसआर में रामचंद्र के खेत में कृषि भूमि काश्त करता है। उसकी पत्नी दुर्गादेवी व दोहिती बसंती (13) पुत्री रामस्वरूप नायक खेत में कार्य कर रही थी। इस दौरान खेत में बनी डिग्गी से फव्वारा पम्पसेट को चालू करने गई बसंती का पैर फिसल गया और वह डूब गई। बसंती की नानी दुर्गा देवी ने शोर मचाया तो भेड़-बकरी चरा रहा चक दो केएसआर निवासी मूलाराम (48) पुत्र भादरराम दौड़कर मौके पर पहुंचा तथा बसंती को बचाने के लिए पानी में कूद गया। वह भी पानी से बाहर नहीं आ सका। इस दौरान शोर सुनकर मौके पर ग्रामीण पहुंचे। सूचना मिलने पर सदर पुलिस भी मौके पर पहुंची। ग्रामीण गोकुल जाखड़, महेन्द्र, बलविन्द्र जाखड़, रोहताश खिलेरी, अभिषेक आदि ने पानी की डिग्गी से मूलाराम को बेहोशी की हालत में बाहर निकाला तथा उसे ट्रोमा सेंटर लेकर आए। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, कुछ देर बाद ग्रामीणों ने बसंती के शव को भी बाहर निकालकर सूरतगढ़ सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया। सदर थाना के एएसआई सोहनलाल ने बताया कि दोनों शवों का शाम को ही सीएचसी की मोर्चरी में पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिए।

मालीवाड़ा व गेपसागर की पाल पर लाइनों में लिकेज

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के वार्ड आठ मालीवाड़ा क्षेत्र में सीवरेज की खुदाई के दौरान हुए लिकेज तथा गेपसागर की पाल पर निजी पाइप लाइनों में लिकेज के कारण हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। पार्षद ब्रिजेश कुमार सोमपुरा ने बताया कि, मालीवाड़ा में सीवरेज के दौरान जगह-जगह लिकेज हो गए हैं। इससे सप्लाई के दौरान आमजन को पानी नहीं मिल पा रहा है। पिछले दो महिने से जलदाय विभाग और आरयूआईडीपी के अधिकारियों को कई बार अवगत कराया, लेकिन अधिकारी एक-दूसरे का काम बताकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं।

लिकेज के कारण लोगों को मिलने वाला हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है और क्षेत्रवासी पेयजल की समस्या से परेशान हैं। क्षेत्र में हैण्डपम्प भी खराब हैं लेकिन जलदाय विभाग इस ओर भी कोई ध्यान नहीं दे रहा। इसी तरह गेपसागर की पाल पर भी पेयजल आपूर्ति के दौरान उस क्षेत्र के दुकानदारों तथा सीटी पोस्ट ऑफिस को जा रही पाइप लाइन में जगह-जगह लिकेज के साथ-साथ पानी की टंकियों के ओवरफ्लो होने से हजारों लीटर पानी मुख्य सड़क पर आकर व्यर्थ वह रहा है। इसके साथ वहां से गुजरने वाले राहगीर फिसलन का शिकार बन दुर्घटना ग्रस्त बन रहे हैं।

चार दिन बाद बच्चे का शव मां ने लिया

डूंगरपुर, (निसं)। जिले की दोवड़ा पंचायत समिति क्षेत्र में माता-पिता के बीच विवाद के कारण चार वर्ष की बालक की बीमारी से मौत हो गई थी। करीब चार दिन बाद मां ने पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर शव लिया। सारी प्रक्रिया में चार दिन तक बच्चे का शव जिला अस्पताल मुर्दाघर में पड़ा रहा।

इंदिरा पत्नी कांतिलाल डेंडोर उम्र 33 साल अपने पिता के घर वरदा थाना क्षेत्र के अंर्तगत गांव तलैया डोजा में रहती थी। करीब आठ वर्ष पूर्व उसकी शादी मसानिया गांव के कांतिलाल पुत्र नाथू डेंडोर के साथ सामाजिक नियमों के अनुसार हुई थी। उससे एक पुत्र मौलिक डेंडोर का जन्म हुआ था। मौलिक को बचपन से ताण की बीमारी थी। इसी दौरान पिछले डेढ़ साल से इंद्रिरा का अपने पति कांतिलाल से कहासुनी में झगड़ा हो गया और दोनों में दूरी बढ़ गई थी। जिसके बाद से इंद्रिरा अपने पिता के घर तलैया डोजा में रहती थी। जहां पर उसके पिता का दस दिन पूर्व बीमारी के कारण निधन हो गया था। 25 अप्रेल को मौलिक डेंडोर उम्र चार साल रात को खाना खाने के बाद घर के अंदर सोया था। तभी उसको अचानक ताण का दौरा पड़ा। इसके कारण इंद्रिरा उसे अपने भाई झुमकलाल के साथ आंतरी पीएचसी लेकर आई। जहां पर डाक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रैफर कर दिया। जिला अस्पताल में डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। 25 अप्रेल से चार साल के मौलिक का शव मोर्चरी में पड़ा हुआ था। पिछले चार दिन से कोई भी शव के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के लिए नहीं आ रहा था। रविवार को मां ने पुलिस में रिपोर्ट देते हुए शव का पोस्टमार्टम करवाया। पुलिस ने इंद्रिरा की रिपोर्ट पर शव का पोस्टमार्टम कराकर उसकी मां को शव सुपुर्द कर दिया।

- चार वर्ष के बालक की बीमारी के कारण मौत हो गई थी
- माता-पिता के बीच विवाद से शव मुर्दाघर में पड़ा रहा

तीन दिन बाद हुआ मृतक पोस्टमार्टम

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र के सेरावाड़ा गांव में साली की शादी में ससुराल आये जीजा की मौत के तीसरे दिन शव का पोस्टमॉर्टम करा शव परिजनों को सुपुर्द किया गया। मौत को लेकर परिजनों के शक के चलते 3 दिन तक शव मार्चरी में पड़ा रहा। पुलिस के आश्वासन के बाद परिजन राजी हुए।

बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र के जगदीश पुत्र गौतम निवासी गरदुना तहसील देवल ने रिपोर्ट में बताया कि वह थाना में आरा मशीन पर काम करता है। इस दौरान 26 अप्रेल को सुबह के समय पत्नी पार्वती ने फोन कर उसे बताया कि बेटा अशोक गमेती सेरावाडा आमलिया फला में अपने ससुराल गया था। ससुराल में साली की शादी होने की वजह से वह मेहमान आया था। पत्नी ने उसे बताया कि अशोक को कुछ हो गया है और उसे हॉस्पिटल लेकर आए हैं। हॉस्पिटल में अशोक की मौत हो गई थी। बहू रेखा से मौत के कारणों को लेकर पूछने पर बताया कि घर के अंदर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना के बाद शव को मुर्दाघर में रखवाया गया, लेकिन परिजन अशोक की मौत के कारणों को लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए राजी नहीं हुए। वहीं, पुलिस परिजनों से समझाइश के प्रयास करती रही। इसके बाद रविवार को तीसरे दिन परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवाया गया।

कच्चे मकान में आग से घरेलू सामान सहित नकदी जली

ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड की राजोता ग्राम पंचायत के कुरंड गांव में रविवार दोपहर को एक कच्चे मकान में अचानक आग लग गई। इस दौरान एक परिवार का घरेलू सामान, नकदी सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। इस दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार कुरंड निवासी गुरूदयाल गुर्जर की आर्थिक स्थिति खराब होने पर वह मानोता कला रोड पर अपने परिवार के साथ खेत में कच्चा मकान बनाकर रहता था। गांव में रहने वाले उसके भाई रोहिताश गुर्जर की बेटियों की शादी एक मई को होने वाली है, जिसको लेकर वह अपनी पत्नी के साथ भाई के घर गया हुआ था। इस दौरान घर उसकी बेटी खुशी, मोनिका बेटा हिमांशु व प्रियांश ही थे। दोपहर करीब तीन बजे अचानक कर में धुआं उठने लगा तो बच्चों ने धुआं देखकर शोर मचाना शुरू कर दिया। इस दौरान आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो कच्चे मकान में आग लग चुकी थी तथा हवा तेज होने के कारण आग गति पकड़ रही थी। घर में आग लगने की सूचना मकान मालिक को दी गई तो अन्य लोगों के साथ मौके पर पहुंचे तथा आग बुझाने का प्रयास किया।

इस दौरान ग्रामीणों ने काफी मशक्कत कर आग पर काबू पाया तब तक मकान के अंदर रखा सामान जल चुका था। इस आग लगने से बीस हजार रूपए नकद, कपड़े, गहने, घरेलू सामान जलकर राख हो गए। इस दौरान आग लगने के कारणों का पता नहीं लग पाया। आग लगने से गुरदयाल के परिवार के पास अब पहनने के कपड़े भी नहीं बचे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि गुरूदयाल के घर की हालत काफी दयनीय है तथा वह बकरी पालन कर परिवार का पालन-पोषण करता है। आग लगने से हुई घटना से उसके परिवार के सामने रोजी रोटी का संकट पैदा हो गया है। ऐसे में अब प्रशासन को प्रभावी कदम उठाते हुए पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता मुहैया करवानी चाहिए।

खेतड़ी के कुरंड गांव में कच्चे मकान में आग से घरेलू सामान जल गया।